अध्याय 12

सरकार और लोकतंत्र

किसी देश की शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए विभिन्न प्रकार के निर्णय लेने पड़ते हैं। इस प्रकार के निर्णय लेने का काम सरकार करती है। सरकार जनता के लिए कई तरह के काम करती है। सरकार के कार्यों की प्रकृति उसके स्वरूप पर निर्भर करती है। यदि सरकार तानाशाही है तो यह आवश्यक नहीं है कि वह जनता के भले के लिए कार्य करे। सामान्यतया लोकतांत्रिक सरकार ही जनता के हित में निर्णय लेती है। सरकार जनता को विभिन्न प्रकार की जनसुविधाएँ जैसे–सड़कें, स्कूल, अस्पताल, बिजली की आपूर्ति आदि उपलब्ध कराती है। सरकार कई सामाजिक मुद्दों पर भी कार्य करती है, जैसे कि गरीबों के उत्थान के लिए कार्यक्रम चलाना। वह डाक एवं रेल सेवाएँ चलाने जैसे अनेक महत्त्वपूर्ण काम भी करती है। सरकार का काम देश की सीमाओं की सुरक्षा करना और दूसरे देशों से शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखना भी है। सरकार देश के सभी नागरिकों को पर्याप्त भोजन और अच्छी स्वास्थ्य–सुविधाएँ प्रदान करने की व्यवस्था करती है।

सरकार के स्तर

देश में सरकार अलग–अलग स्तरों पर काम करती है– स्थानीय स्तर पर, राज्य के स्तर पर एवं राष्ट्रीय स्तर पर।

1. स्थानीय स्तर की सरकार का मतलब अपने गाँव या शहर के लिए काम करने वाली सरकार से है। अपने गाँव में ग्राम पंचायत और शहर में नगर पालिका आदि नगरीय निकाय स्थानीय सरकार के रूप में कार्य करते हैं। ये अपने इलाके में सड़क बनवाने, सफाई करवाने और रास्तों में रोशनी की व्यवस्था करवाने जैसे स्थानीय महत्त्व के कार्य करते हैं।
2. राज्य स्तर की सरकार का मतलब है, वह सरकार जो एक पूरे राज्य के लिए कार्य करे, जैसे– हमारी राजस्थान सरकार।
3. राष्ट्रीय स्तर की सरकार का संबंध पूरे देश से होता है, जैसे–हमारी भारत सरकार।

सरकार एवं कानून

सरकार कानून बनाती है जो देश के सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं। सरकार कानून के माध्यम से काम करती है। उसके पास कानून बनाने और उसे लागू करने की शक्ति होती है। सरकार को यह शक्ति जनता अपने वोट के माध्यम से प्रदान करती है। हम यह जानते हैं कि वाहन चालकों को सरकार द्वारा निर्धारित सड़क सुरक्षा कानूनों का पालन करना चाहिए। अगर कोई कानून तोड़ता है, तो उसको जुर्माना भरना पड़ता है अथवा जेल की सजा काटनी पड़ती है। यह सरकार की कानून लागू करने की शक्ति का उदाहरण है।

अगर लोगों को लगे कि किसी कानून का ढंग से पालन नहीं हो रहा है, तो वे न्यायालय में प्रार्थना–पत्र देकर कानून की पालना करवा सकते हैं।

अब हम यह जानेंगे कि सरकार कितने प्रकार की होती है और हमारे देश में किस प्रकार की सरकार है–

सरकार के प्रकार

सरकार को निर्णय लेने और कानूनों का पालन करवाने की शक्ति कौन देता है–यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस देश में किस तरह की सरकार है।

सरकार के भिन्न–भिन्न प्रकार प्रचलित रहे हैं–

1. राजतंत्रीय सरकार– राजतंत्रीय सरकार में निर्णय लेने और सरकार चलाने की शक्ति अकेले एक ही व्यक्ति अर्थात् राजा या रानी के पास होती है। राजा अपने कुछ सलाहकारों एवं मंत्रिपरिषद् की मदद से सरकार चलाता है। अन्तिम निर्णय लेने की शक्ति उसी के पास रहती है। वह जनता द्वारा निर्वाचित नहीं होता है। उसे अपने निर्णय के आधार बताने और निर्णयों की सफाई देने की जरूरत नहीं होती है। स्वतंत्रता के पहले देश में विभिन्न स्थानों पर इस प्रकार की राजाओं की सरकारें थीं। ऐसी सरकार को बनाने में जनता की भागीदारी नहीं थी या नगण्य होती थी।

राजतंत्र

2. तानाशाही सरकार– यदि सरकार विभिन्न हितों के बीच टकरावों को बलपूर्वक दबाकर किसी एक हित को जबरदस्ती से लागू करती है, तो ऐसी सरकार तानाशाही होती है। तानाशाह शासक जनता के प्रति जिम्मेदार नहीं होता। जनता के पास अपना विरोध या समर्थन प्रकट करने और कानून बनाने की प्रक्रिया में भागीदारी का कोई अधिकार नहीं होता है। एक समय यूरोप के जर्मनी और इटली नामक देशों में तानाशाही सरकारें थीं, जिन्होंने नागरिकों के मूल अधिकारों की अवहेलना की।

तानाशाही

3. लोकतांत्रिक सरकार– लोकतांत्रिक सरकार जनता के द्वारा चुनी हुई होती है। जनता वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता की ओर से सरकार में भागीदारी निभाता है। अतः यह जनता का ही शासन होता है। सरकार जनता के प्रति जवाबदेह और जन भागीदारी पर आधारित होती है। इस व्यवस्था में सभी को अपने–अपने हितों को प्रकट करने और संगठन बनाने की स्वतंत्रता होती है। सरपंच, पार्षद और विधायक जन–प्रतिनिधि होते हैं।

लोकतंत्र

राजतंत्र लोकतंत्र

राजतंत्र एवं लोकतंत्र में जनता की स्थिति का अंतर

गतिविधि :

विद्यार्थियों के अलग–अलग समूह बनाकर कक्षा में विभिन्न प्रकार की सरकारों पर चर्चा करावें।

स्वतंत्रता के पश्चात् भारत ने लोकतांत्रिक सरकार का रास्ता चुना, ताकि सरकार में जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। अब हम लोकतांत्रिक सरकार की विशेषताओं पर चर्चा करेंगे।

लोकतांत्रिक सरकार की विशेषताएँ

1. **प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र**–जनता वोट देकर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है। वार्ड़ पंच, सरपंच, प्रधान, जिला–प्रमुख, शहर के पार्षद व मेयर, विधायक और सांसद जनता के प्रतिनिधि होते हैं, जो कि विभिन्न स्तरों पर जनता की ओर से सरकार के संचालन में भागीदारी करते हैं। इस प्रकार जनता सरकार के कार्यों में अपनी भागीदारी निभाती है।

जनता द्वारा जन प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार में भागीदारी निभाना

2. **समानता एवं न्याय–** लोकतांत्रिक सरकार न्याय एवं समानता के आधार पर कार्य करती है। न्याय तभी प्राप्त हो सकता है, जब सब लोगों के साथ बराबरी का व्यवहार हो। सरकार उन समूहों के लिए विशेष प्रावधान करती है, जो समाज में बराबर नहीं माने जा रहे हैं। जैसे हमारे समाज में लोग लड़कों के पालन–पोषण पर लड़की से ज्यादा ध्यान देते हैं। समाज लड़कियों को उतना महत्त्व नहीं देता, जितना लड़कों को देता है। इस भेदभाव को दूर करने के लिए सरकार ने कुछ विशेष प्रावधान किए हैं, ताकि लड़कियाँ समाज में बराबरी पर आ सकें। इसी प्रकार समाज में कुछ वंचित और पिछड़े वर्गों के समूह हैं, जिनके उत्थान के लिए विशेष प्रावधान किए गये हैं।

मतदान केन्द्र का दृश्य

सरकार का चुनाव 18 वर्ष की आयू पूरी कर चुके देश के सभी वयस्क नागरिक समानता के आधार पर वोट दे कर करते हैं। जनता को एक व्यक्ति, एक वोट, एक मोल के आधार पर सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्राप्त है।

3. **जागरूकता और जवाबदेही–** लोकतांत्रिक सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही होती है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सरकार को चुनती है। देश में जनता को सूचना का अधिकार दिया गया है। इस कानून के अनुसार कोई भी व्यक्ति सरकार की नीतियों व उसके कार्यों और आय–व्यय के हिसाब की सूचना माँग सकता हैं। इससे सरकार के कार्यों में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर रोक लगी है, साथ ही सरकार एवं लोगों के बीच की दूरी कम हो रही है।

लोक कल्याणकारी सरकार के कार्य

समाचार पत्रों, रेड़ियो, टेलीविजन और इन्टरनेट सेवा युक्त कम्प्यूटर जैसे संचार के माध्यमों से मिली सूचनाओं के आधार पर देश के लोग विभिन्न विषयों पर आपस में विचार–विमर्श कर सरकार के कार्यों के बारे में अपनी राय बनाते हैं।

4. **लोककल्याण–** लोकतांत्रिक सरकार जनता के लिए होती है। सरकार जनता के कल्याण के लिए

कार्य करती है। वह ऐसे कार्यक्रम और योजनाएँ चलाती है, जिनसे सभी लोगों का कल्याण हो। गरीब, कमजोर और पिछड़े लोगों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था, महात्मा गाँधी नरेगा योजना के जरिये रोजगार देना, निःशुल्क दवा योजना आदि सरकार के लोक कल्याणकारी कार्यक्रम हैं।

गतिविधि :

1. आपके क्षेत्र में सरकार द्वारा चलाए जा रहे लोक कल्याणकारी कार्यों का अवलोकन करके उनकी सूची बनाइए।
2. उन लोक कल्याणकारी योजनाओं की सूची बनाइए, जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हैं।

5. **विवादों का समाधान–** हमारा देश विविधताओं का देश है। कभी–कभी विविधता से विवाद की स्थिति भी पैदा हो जाती है। जनता के विवादों और समस्याओं का समाधान करने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। सरकार शान्तिपूर्ण तरीके से कानून के माध्यम से विवादों के समाधान का प्रयास करती है। लोकतंत्र में सरकार विवादों के समाधान में जनमत का सम्मान करती है।

समाज से ही सरकार का गठन होता है। समाज और सरकार में घनिष्ट संबंध होता है। लोकतांत्रिक सरकार व्यक्ति के विकास और उसके जीवन को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करती है।

शब्दावली

लोकतंत्र : जनता का राज्य अथवा वह सरकार जिसमें शासक जनता के मत से चुना जाता है और वह जनता के प्रति उत्तरदायी होता है।

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार : लिंग, जाति, क्षेत्रीयता और आर्थिक स्तर के आधार पर भेदभाव किये बिना सभी वयस्क (18 वर्ष या उससे अधिक आयु के) नागरिकों को मत डालने का अधिकार

लोक कल्याण : जनता के हित के लिए किए जाने वाले कार्य।

अभ्यास प्रश्न

1. सही विकल्प को चुनिए –

(i) जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि जनता की ओर से सरकार में भागीदारी निभाते हैं, उसे कहते हैं–

(अ) प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र (ब) तानाशाही

(स) राजतंत्र (द) इनमें से कोई नहीं ( )

(ii) जनता के प्रति जवाबदेह एवं उत्तरदायी सरकार है –

(अ) राजतंत्रीय सरकार (ब) तानाशाही सरकार

(स) लोकतांत्रिक सरकार (द) इनमें से कोई नहीं ( )

2. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(i) सरकार का चुनाव ..... वर्ष की आयु पूरी कर चुके वयस्क नागरिक करते हैं।

(ii) जनता अपने ..... के माध्यम से सरकार में भागीदारी निभाती है।

(iii) राजतंत्रीय सरकार में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार.....के पास होता है।

3. स्तम्भ 'अ' का मिलान स्तम्भ 'ब' से कीजिए –

	स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
(i)	सरकार चलाने की शक्ति राजा या रानी के के पास होती है	लोकतांत्रिक सरकार
(ii)	सरकार एक ही हित को जबरदस्ती लागू करती है।	राजतंत्रीय सरकार
(iii)	सरकार जनता द्वारा वोट देकर चुनी जाती है और उसके प्रति जवाबदेह होती है।	तानाशाही सरकार

4. प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र से आप क्या समझते हैं ?

5. लोग विभिन्न विषयों पर अपनी राय किस प्रकार बना पाते हैं ? समझाइए।

6. सरकार के लोक कल्याणकारी कार्यों के बारे में बताइए।